ऋण का 25.5% बनता है । राज्य वित्तीय निगम मुख्य राज्य स्तरीय संस्थापन हैं जो लघु तथा कुटीर उद्योगों को सहायता मुहैया करते हैं । वर्ष 1993–94 के दौरान, इन निगमों द्वारा लघु तथा कुटीर क्षेत्र को 1525 करोड़ रु० मंजूर किये गये थे ।

(ङ) बैंकों तथा वित्तीय संस्थानों द्वारा ऋण पर प्रभारित की जाने वाली ब्याज की दरें भारतीय रिजर्व बैंक की दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रशासित की जाती हैं । कर्ज लेने वालों पर लागू ब्याज की दर ऋण की मात्रा के अनुसार अलग-अलग होती है । इस समय तीन स्लैब हैं। 2 लाख तक के ऋण पर ब्याज दर 2 लाख से अधिक कर्ज की राशि पर प्रभारित किये जाने वाले ब्याज दर से कम होती हैं । 18 अक्तूबर, 1994 से भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा यथा निर्धारित ब्याज की दरों के विवरण इस प्रकार हैं :—

	ब्याज दर (वार्षिक%) कार्यशील पूंजी के लिए सावधिक कर्ज पर	
1. 25,000 रु० तक	12.0	12.0
2. 25,000 रु० से अधिक और 2 लाख रु० तक	13.5	13.5
3. 2 लाख रु०से अधिक	प्राथमिक ऋण-दाताओं द्वारा निश्चित किया जाता है ।	

अनियत श्रमिकों को नियमित करना

1563. श्री आस मोहम्मद : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में स्थायी किस्म के कार्यों में अनियत श्रमिकों को नियुक्त न किए जाने के उसके निर्देश के बावजूद कुछ उपक्रमों ने स्थायी किस्म के कार्यों में अनियत श्रमिकों को नियुक्त किया है ;

(ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों में इस प्रकार से नियुक्त किए गए व्यक्तियों की उपक्रम वार संख्या कितनी-कितनी है ; और

(ग) इस प्रकार की नियुक्तियों को किए जाने के क्या कारण हैं ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों में अनियत कर्मचारियों की नियुक्तियाँ उनके अपने क्षेत्राधिकार के प्रबन्ध द्वारा की जाती हैं सरकार के पास ऐसी नियुक्तियों की कोई सूचना नहीं है।

(ख) और (ग) प्रश्न ही नहीं उठता।

Industries in Punjab

1564. SHRI IQBAL SINGH: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) what was the total number of small scale and medium scale industries in the country, particularly in the State *of* Punjab as on 31st December, 1994;

(b) what is the number of industries declared sick by Government of Punjab;

(c) what steps Government propose to revive these sick industries in the State of Punjab; and

(d) what is the total amount sanctioned as central loan assistance to the Government of Punjab?

THE MINISTER OF STATE IN THE. MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) There is no unified source of collection of data for the number of industries in the small scale and medium scale sector-According to the Annual Survey of Industries 1990-91 (latest available information from the Central Statistical Organisation), the number of